सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 10 • अंक: 56 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शनिवार, 30 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

हर सुबह हम पुनः जन्म लेते हैं। हम आज क्या करते हैं यही सबसे अधिक मायने रखता है।

-भगवान बुद्ध

केकेआर ने फेरा विराट की मेहनत... 7 | मध्य प्रदेश व राजस्थान में बदल... 3 | बीजेपी की वजह से हो रही जग... 2

नोटिस व समन पर गरमाई सियासत

कांग्रेस और आप ने खोला बीजेपी के खिलाफ मोर्चा

» आयकर, सीबीआई और ईडी पर चौतरफा हमले

» विपक्ष बोला मोदी विरोधियों को बनाना चाहते हैं अपंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में इस समय राजनैतिक उठापटक जारी है। चुनावी माहौल में विपक्ष के निशाने पर मोदी व बीजेपी की सरकार है। एक तरफ जहां आप ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र को चैन से न बैठने की योजना बनाई है। वहीं कांग्रेस ने आईटी विभाग की नोटिस को मुद्दा बनाकर मोदी सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।

उधर मोदी सरकारी भी पीछे हटने को तैयार नहीं उसने आप नेता कैलाश गहलोत को शराब नीति मामले में फिर तलब किया है तो वहीं आयकर विभाग ने कांग्रेस को दो और नोटिस भेज दी है। जिसके बाद कांग्रेस बीजेपी पर बिफर गई है। वहीं आप नेता सत्येन्द्र पर सीबीआई द्वारा केस चलाने की अनुमति देने पर भी केंद्रीय गृह मंत्रालय विपक्ष के निशाने पर आ गया है। गौरतलब हो कि दिल्ली की शराब नीति मामले में आम आदमी पार्टी की सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई बड़े नेता और पूर्व मंत्री पहले से ही इसकी चपेट में आ चुके हैं। अरविंद केजरीवाल ईडी की रिमांड में हैं। वहीं उनके खास मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले से ही जेल में हैं। अब केजरीवाल सरकार के एक और मंत्री ईडी की रडार पर आ गए हैं।

भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में काम कर रही ईडी : आतिशी

वहीं आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी की केजरीवाल के मोबाइल फोन की जांच करने की जिद यह साबित करती है कि एजेंसी भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि यह मोबाइल फोन कुछ महीने पुराना है तथा यह तब नहीं था जब नीति बनायी व लागू की गयी थी। केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा ''दरअसल, यह भाजपा है न कि ईडी जो यह जानना चाहती है कि केजरीवाल के फोन में क्या है।

आयकर विभाग ने कल रात दो और नोटिस भेज दिये : जयराम

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस को इनकम टैक्स विभाग ने 1800 करोड़ रुपये का नोटिस भेजने के बाद विभाग ने कल रात दो और नोटिस भेजे हैं। ये बात कांग्रेस ने शनिवार (30 मार्च) को कही। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कल रात हमें दो और नोटिस भेजे गए। बीते दिन शुक्रवार को आयकर विभाग ने लगभग 1,823 करोड़ रुपये की नोटिस दी थी। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस टैक्स आतंकवाद का निशाना है।

दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को ईडी ने किया तलब

दिल्ली शराब घोटाले की जांच में ईडी ने दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत को तलब किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी ने गहलोत पर लगातार अपने फोन नंबर बदलने और कथित तौर पर आरोपी विजय नायर की मदद करने का आरोप लगाया है। ईडी के मुताबिक, एक्साइज पॉलिसी का ड्राफ्ट साउथ ग्रुप को लीक हो गया था। जांच एजेंसी का दावा है कि शराब नीति का मसौदा तैयार होने के दौरान गहलोत ने आप के तत्कालीन संचार प्रभारी विजय नायर को अपने आधिकारिक आवास का उपयोग करने की अनुमति दी थी। इससे पहले, ईडी ने आरोप लगाया था कि गहलोत ने 2021-22 में बार-बार अपने मोबाइल नंबर बदले।

लोकतंत्र को खतरे में डाल रही केंद्र सरकार : विजयन

केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने शनिवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर भारत के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक तानेबाने को खतरे में डालने का आरोप लगाया। विजयन ने आरोप लगाया कि देश की धर्मनिरपेक्षता को खतरे में डालने के भाजपा नीत केंद्र सरकार के बार-बार उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप लोगों का एक बड़ा वर्ग इस बात को लेकर चिंतित है कि क्या वह आगे इस देश में रह सकते हैं।

हताश हो गई है कांग्रेस : जफर

बीजेपी के प्रवक्ता जफर इस्लाम ने कहा कि कांग्रेस नेता आयकर विभाग और न्यायपालिका के खिलाफ आरोप लगाकर अपनी हताशा को दर्शा रहे हैं। मीडिया में बयान देने के बजाय कांग्रेस को कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए और अपने कर दायित्वों को पूरा करना चाहिए. इस्लाम ने कहा कि आयकर विभाग कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए मजबूर है क्योंकि कांग्रेस ने न केवल आयकर रिटर्न दाखिल करने में देरी की बल्कि अपनी आय को भी कम करके दिखाया।

मुख्तार अंसारी सुपुर्द-ए-खाक, नम आंखों से लोगों ने किया अलविदा

मुख्तार को पुस्तैनी कब्रिस्तान कालीबाग में किया गया दफन

» माता-पिता की कब्र के बगल में मिली जगह

» नमाज-ए-जनाजा में उमड़ा जन सैलाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। पूर्वांचल के ताकतवर नेता रहे माफिया मुख्तार अंसारी को आज गाजीपुर के कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। मुख्तार की शव यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान कब्रिस्तान के बाहर पुलिस का सख्त पहरा था। इस दौरान समर्थकों की भारी भीड़ वहां मौजूद थी। तब पुलिस के साथ मुख्तार के परिजन खुद भीड़ को नियंत्रित करने में सहयोग रहे थे। मुख्तार को दफनाए जाने के बाद सांसद अफजाल अंसारी और गाजीपुर डीएम के बीच जोरदार बहस हुई है।

दरअसल, सूत्रों की मानें तो जिला प्रशासन चाहता था कि मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाए। जबकि परिवार इसपर सहमत नहीं था। ऐसे में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस मुद्दे का मतभेद खुलाकर सामने आ गया। वहां गाजीपुर डीएम और अफजाल अंसारी के बीच जोरदार बहस हुई। मुख्तार अंसारी का जनाजा पहुंचने के वक्त हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। हालांकि इसे पहले समाजवादी पार्टी के विधायक और मुख्तार अंसारी के भतीजे मोहम्मद सुहैब अंसारी ने कहा कि मैं यहां मौजूद सभी लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे शांति बनाए रखें। गौरतलब है कि मुख्तार को उसके पुस्तैनी कब्रिस्तान कालीभाग में दफन किया गया।

देर रात गाजीपुर पहुंचा था शव

इससे पहले मुख्तार अंसारी का शव भारी पुलिस बल के साथ रात 1-15 बजे पैतृक कस्बा मुहम्मदाबाद के आवास पर पहुंचा था। शव आने की सूचना पर हजारों की संख्या में समर्थक जुट गए। वहीं दूसरी ओर शहर के कालीबाग कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक करने की तैयारी पहले से ही चल रही थी। मुख्तार की कब्र पिता व मां की कब्र के समीप खोदी गई थी। सुरक्षा के लिहाज से कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस के साथ ही अर्द्धसैनिक बल के जवानों की तैनाती रही। मुख्तार का शव एंबुलेंस से भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचा था। बता दें कि बांदा जेल में उसका हार्ट अटैक होने के बाद मेडिकल कॉलेज लाया गया था। जहां उसकी मौत हो गई थी।

बीजेपी की वजह से हो रही जग हंसाई : पवार

» बोले- केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बाहरी लोग हमारी सरकार की आलोचना कर रहे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सातारा (महाराष्ट्र)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने दावा किया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर दुनियाभर की मीडिया का ध्यान आकर्षित हुआ है। पवार ने कहा, यह अच्छी बात नहीं है कि बाहरी लोग हमारी सरकार की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन ऐसी स्थिति (स्वयं) सरकार द्वारा बनाई गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले में केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। उन्हें एक अप्रैल तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है। पवार ने कहा, केजरीवाल का अपराध क्या है? उन्होंने एक आबकारी नीति बनाई, जिसे सभी राज्य बनाते हैं।

दिल्ली देश की राजधानी है और उसके मुख्यमंत्री गिरफ्तार हैं।

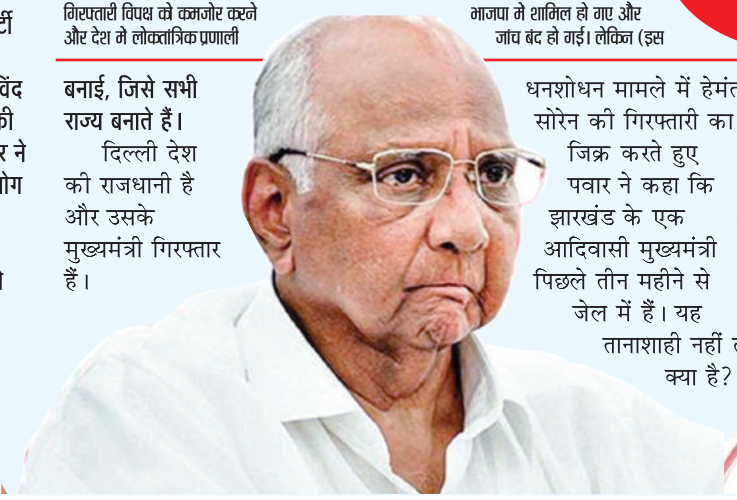

धनशोधन मामले में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि झारखंड के एक आदिवासी मुख्यमंत्री पिछले तीन महीने से जेल में हैं। यह तानाशाही नहीं तो क्या है?

हमें इसके खिलाफ लड़ना होगा। ज्ञात हो कि अमेरिका ने बुधवार को कहा था कि वह केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित इन कार्वाइयों पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेगा। उसने कहा था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है और हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए।

विपक्ष व लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती है केंद्र सरकार : पटवारी

केजरीवाल को गिरफ्तार करने पर मप्र कांग्रेस अध्यक्ष ने दी प्रतिक्रिया

कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार विपक्ष को कमजोर करना चाहती है, इसलिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। पटवारी ने मध्य प्रदेश की 29 सीट में से कम से कम 15 पर कांग्रेस की जीत होने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, केजरीवाल की गिरफ्तारी विपक्ष को कमजोर करने और देश में लोकतांत्रिक प्रणाली को खत्म करने का एक प्रयास है। उन्होंने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया जबकि भाजपा से हाथ मिलाने वालों को बख्श दिया। जिन 154 व्यक्तियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई की जांच जारी थी, उनमें से 121 लोग भाजपा में शामिल हो गए और जांच बंद हो गई। लेकिन (इस तरह की जांच) को लेकर विपक्षी नेताओं के खिलाफ दुष्प्रचार जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब इस मुद्दे (ईडी और सीबीआई द्वारा जांच) की बात आती है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोहरा मापदंड अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को कमजोर करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

ईडी, सीबीआई के राजनीतिकरण से समूचा देश शर्मिंदा : जैस्मीन शाह

आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिकरण को लेकर समूचा देश शर्मिंदा है और आगामी चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। आप प्रवक्ता जैस्मीन शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में सबसे बड़ी राजनीतिक वाशिंग मशीन विकसित की है, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे व्यापारियों और राजनेताओं को डालकर उनसे चुनावी चंदा हासिल किया जाता है और उनके सारे आरोप धूल जाते हैं। शाह ने कहा कि कई मामलों का सामना कर रहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता प्रफुल्ल पटेल को सीबीआई से क्लीनचिट मिल गई है। उन्होंने दावा किया, जिस मामले में उन्हें (पटेल को) क्लीनचिट दी गई है, उसमें उनके नागरिक उड्डयन मंत्री रहने के दौरान इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया का विलय का मामला शामिल था।

वीके सिंह ने जम्मू कश्मीर में अफस्पा हटाने में डाली थी बाधा : उमर अब्दुल्ला

» बोले- 2011 में इसे हटाने की लड़ाई लड़ी

» चुनाव के बाद अफस्पा को भूल जाएगी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया है कि पूर्व सेना प्रमुख वीके सिंह ने जम्मू-कश्मीर में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) हटाने में बाधा डाली थी। यूपीए-2 सरकार के दौरान जनरल वीके सिंह सेना प्रमुख थे उसी समय अफस्पा लगाया गया था। वीके सिंह केंद्र सरकार में सड़क परिवहन , राजमार्ग मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं। नेकां उपाध्यक्ष ने कहा, गृहमंत्री अमित शाह को अब अफस्पा की याद आई है।

जबकि हमने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रहते हुए वर्ष 2011 में इसे हटाने की लड़ाई लड़ी थी। उस समय के सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह अफस्पा के समर्थन में खड़े हो गए थे। आज सरकार लोगों से कह रही है कि अफस्पा हटा देंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ एबीसी दलों द्वारा गठबंधन पर टिप्पणी करने पर उमर ने कहा कि वे सोच रहे होंगे कि नेकां को दबाव में ला देंगे, लेकिन भाजपा समेत सभी दलों का सामना करने की नेकां के पास पर्याप्त ताकत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हमें आशंका है कि जिस तरह छठी अनुसूची पर लद्दाख के लोगों को बेवकूफ बनाया गया, वही हमारे साथ भी होगा। जब संसदीय चुनाव संपन्न होंगे और भाजपा सभी पांच सीटें हार जाएगी, तो वे अफस्पा के बारे में भूल जाएंगे।

लद्दाख को पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संघर्ष तेज होगा : वांगचुक

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर संघर्ष जारी है। लेह में महिलाएं अनशन पर बैठी हुई हैं। पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने 21 दिन का अनशन पूरा किया है। अभी वह लेह में डॉक्टरों की देखरेख में हैं। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने शहर में एक रैली निकाली, जिसमें सोनम वांगचुक ने लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने के लिए आंदोलन तेज करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष में गांधीवादी दृष्टिकोण से आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही सात अप्रैल को लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में रैली निकाले जाने की योजना बनाई गई है। सोनम वांगचुक ने कहा कि वह लद्दाख के पर्यावरण की सुरक्षा के लिए गांधीवादी सिद्धांतों को अपना रहे हैं।

देश में लोकतंत्र और सामाजिक न्याय चाहते हैं तो इंडिया गठबंधन को वोट दें : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और यहां के लोगों से अपील की कि अगर वे देश में लोकतंत्र न सामाजिक न्याय चाहते हैं तो वे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को वोट दें। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की आलोचना करते हुए स्टालिन ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त धन नहीं होने का उनका दावा सच है, तो सवाल यह है कि चुनावी बॉण्ड के माध्यम से भाजपा को मिली राशि का क्या हुआ।

उन्होंने कहा, मैडम, अगर आप चुनाव लड़ना चाहती हैं तो आपको लोगों से मिलना चाहिए और लोगों के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। चूंकि आप नतीजे जानती हैं कि लोग आपको वोट नहीं देंगे, इसलिए

आपने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। हाल ही में नयी दिल्ली में एक कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा था कि उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा के प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक उस तरह का धन नहीं है। उन्होंने कहा, आगामी चुनाव भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण चुनाव है। अब केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के बोरिया-बिस्तर बांधने का समय आ गया है।

इंडिया गठबंधन के कई नेता आप की रैली में होंगे शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव समेत इंडिया गठबंधन के कई नेता यहां रामलीला मैदान में रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा आयोजित की जाने वाली महारैली में शामिल होंगे। आप के वरिष्ठ नेता नेता गोपाल राय ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की पृष्ठभूमि में रविवार को रामलीला मैदान में 20,000 से अधिक लोगों की मौजूदगी वाली रैली आयोजित करने के लिए प्रशासन की अनुमति मिल गई है। राय ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल महारैली को संबोधित करेंगी या नहीं, इस पर फैसला बाद में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, द्रमुक नेता तिरुचि शिवा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भी रैली में शामिल होंगे। आप नेता ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी रैली में शामिल होंगी।

पूरी पार्टी एकजुट है : नदवी

» रामपुर से सपा उम्मीदवार को आजम से सहयोग की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के रामपुर से समाजवादी पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार मोहिबुल्ला नदवी ने शुक्रवार को कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान का समर्थन मिलेगा और पूरी पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें रामपुर में सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। नदवी रामपुर से सपा के आधिकारिक उम्मीदवार हैं, लेकिन आजम खान के करीबी माने जाने वाले आसिम रजा ने भी नामांकन दाखिल कर दिया है।

इसलिए इस सीट पर सपा एवं नदवी के लिए असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। आसिम रजा के नामांकन पर नदवी ने कहा, समाजवादी पार्टी एक परिवार है और उस परिवार के मुखिया अखिलेश यादव हैं। उम्मीद है कि लोग छोटी-मोटी चीजों को छोड़कर आगे बढ़ेंगे और मिलकर लड़ेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या उनको आजम खान का समर्थन मिलेगा तो उन्होंने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है। नदवी ने कहा, मुझे हिंदू, मुस्लिम सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है और आगे भी मिलेगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मध्य प्रदेश व राजस्थान में बदल सकता है मिजाज

भाजपा पर भारी पड़ सकती है कांग्रेस

मोदी व राहुल की होगी अग्निपरीक्षा

» राजस्थान में वसुंधरा समर्थक सांसदों का सफाया

» इस बार तेजी में नहीं है राजे और शिवराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ती जा रही है। पहले चरण के नामांकन खत्म हो चुके हैं। दूसरे चरण की नामांकन की प्रक्रिया चालू हो गई है । कई राज्यों में राजग व इंडिया गठबंधनों में सहयोगियों के साथ सीट के बंटवारे लगभग फाइनल होने लगे हैं। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दल मजबूत है वह वहां अधिक सीटें ले रहें है जबकि जहां भाजपा व कांग्रेस मजबूत है वे अपनी भागीदारी बड़ी रख रहे हैं । बिहार में महागठबंधन में बात बन गई हैं।

वहीं राजस्थान व मप्र में जहां पिछले लोकसभा चुनाव मे बीजेपी लगभग ज्यादा से ज्यादस सीटों पर कब्जा जमाया था वहां पर वह दुबारा वैसा ही करिश्मा करेगी इस पर असमंजस हो सकता है। सियासी जानकारों का कहना है राजस्थान में वसुंधरा समर्थकों के टिकट काट दिए गए है तो वंही मप्र में शिवराज के लोगों को भी निराशा हाथ लगी है। ऐसे में ये नाराजगी कहीं भाजपा को ले न डूबे। हालांकि अंदर खाने ये भी सुगबुगाहट हो रही है इन दोनों नेताओं का बहुत ज्यादा इन राज्यों में असर नहीं पड़ेगा। पर चुनावों में जनता का फैसला ही सबसे ऊपर होता है इसलिए कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार लगातार सांसद व पूर्व जिला प्रमुख रहे रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया हैं। रामचरण बोहरा वसुंधरा राजे के नजदीकी लोगों में शुमार होते थे तथा उनके हर कार्यक्रम में पूरी सक्रियता से भाग लेते थे। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के सभी समर्थक सांसदों के टिकट काट दिए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के ब?ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है।श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है। निहालचंद मेघवाल 1996, 1999, 2004, 2014 व 2019 में सांसद व 1998 में रायसिंह नगर से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता बेगाराम चौहान 1977 में जनता पार्टी से व 1989 में जनता दल से सांसद व 1972 में रायसिंह नगर से स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर विधायक रह चुके हैं। निहालचंद के भाई लालचंद चौहान भी 2003 में रायसिंह नगर से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। ऐसे में निहालचंद मेघवाल का टिकट काटने का सिर्फ एक ही कारण रहा है। उनका वसुंधरा राजे गुट में होना। कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है। चूरू से भाजपा के दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटने का भी मुख्य कारण वसुंधरा राजे के नजदीकी होना था। राहुल कस्वां चूरू में मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ के तारानगर से चुनाव हारने के चलते राहुल कस्वां का टिकट काटा गया है। राहुल कस्वां स्वयं 2014 व 2019 में चूरू से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद व सादुलपुर से विधायक रह चुके हैं।

छिंदवाड़ा में कांग्रेस का पलड़ा भारी

छिंदवाड़ा सीट पर बीजेपी ने विवेक बंटी साहू तो टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व सीएम कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ पर भरोसा जताया है. नकुल यहां से मौजूदा सांसद हैं। छिंदावाड़ा कांग्रेस का गढ़ माना जाता है ऐसे में कांग्रेस सीट पर अपना पूरा दम लगाएगी।

उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित

उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां से लगातार दो बार सांसद रहे अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर उनके स्थान पर परिवहन विभाग में कार्यरत मन्नालाल रावत को उम्मीदवार बनाया गया है। अर्जुन लाल मीणा वसुंधरा राजे गुट के माने जाते हैं। इसी के चलते उनका टिकट काट दिया गया है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद कनकमल कटारा का टिकट काटकर कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को प्रत्याशी बनाया गया है। मालवीय प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पसंद माने जाते हैं। भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर लगातार दो बार से सांसद बनते आ रहे सुभाष बहेड़िया का टिकट कटना भी तय माना जा रहा है क्योंकि यहां से अभी तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हो पाई है। जबकि कांग्रेस ने यहां से दामोदर गुर्जर को अपना प्रत्याशी बना दिया है। सुभाष बहेड़िया ने 2019 का लोकसभा चुनाव 611460 वोटो के अंतर से जीता था। इतनी बड़ी जीत होने के बावजूद भी बहे?िया का टिकट क्लियर नहीं होने के चलते कयास लगाए जा रहे हैं कि पिछली बार अजमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे रिजु झुंझुनूवाला के भाजपा में शामिल होने के चलते भीलवाड़ा से उनको भी प्रत्याशी बनाया जा सकता है। अजमेर से भाजपा के मौजूदा सांसद व प्रत्याशी बनाये गये भागीरथ चौधरी पिछले विधानसभा चुनाव में किशनगढ़ सीट पर तीसरे स्थान पर रहे थे। मगर इसके बावजूद उनको प्रत्याशी बनाया गया है। भागीरथ चौधरी भी पहले वसुंधरा राजे के नजदीकी थे। मगर उन्होंने परिस्थितियों देखकर उनसे दूरी बना ली। इसी के चलते उनका प्रत्याशी बना दिया गया है।

पीढ़ीगत बदलाव की ओर राजस्थान भाजपा

राजस्थान भाजपा में अब पूरी तरह पीढ़ीगत बदलाव हो रहा हैं। एक तरफ जहां भजनलाल शर्मा जैसे आम कार्यकर्ता को वसुंधरा राजे पर तरहीज देते हुए मुख्यमंत्री बना दिया गया है। वहीं लोकसभा चुनाव में भी सभी वसुंधरा समर्थकों के टिकट काटकर नए लोगों को प्रत्याशी बनाना इस बात का संकेत है कि राजस्थान की राजनीति में अब वसुंधरा राजे का प्रभाव समाप्त हो रहा है और नई पी?ी के नेता आगे आ रहे हैं।

पहले चरण की 6 सीटों पर मध्य प्रदेश में दमदार जंग

मध्य प्रदेश की 6 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को पहले चरण में वोटिंग होगी। पहले फेज में यहां सीधी, शहडोल, जबलपुर, मंडला, बालाघाट और छिंदवाड़ा सीट पर मतदान होगा. इन सभी 6 सीटों पर सभी उम्मीदवारों ने नामाकंन कर लिया और अब वह मुकाबले के लिए तैयार हैं। पहले चरण में होने वाले मतदान में कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा मुकाबला है. पिछले लोकसभा चुनाव में इन 6 सीटों में 5 पर बीजेपी ने जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस के खाते में एक मात्र छिंदवाड़ा की सीट आई थी. छिंदावाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने पिछले चुनाव में इस सीट पर जीत हासिल की थी। सीधी से बीजेपी ने इस बार राजेश मिश्रा को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने कमलेश्वर पटेल पर दांव खेला है। सीधी बीजेपी का मजबूत किला है, जिसे ढहाना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती होगी। 2019 के चुनाव में बीजेपी को यहां बंपर जीत मिली थी और सांसद चुनकर प्रीती पाठक लोकसभा पहुंची थी। शहडोल सीट आदिवासी समुदाय के कारण चर्चा में रहती है। बीजेपी ने यहां से मौजूदा सांसद हिमाद्री सिंह तो कांग्रेस ने तीन बार से विधायक फुन्देलाल मार्को को चुनाव मैदान में उतारा है। इस बार शहडोल में मुकाबला कड़ा होने की उम्मीद है, पिछली बार यहां बीजेपी ने जीत हासिल की थी।

जबलपुर में बीजेपी को चुनौती देगी कांग्रेस

जबलपुर सीट से बीजेपी ने आशीष दुबे को मैदान में उतारकर सबको चौंका दिया था। वहीं कांग्रेस ने दिनेश यादव को इस सीट से टिकट दिया है। जबलपुर सीट पर बीजेपी लगातार कब्जा जमाती आ रही है। ऐसे में कांग्रेस के लिए महाकौशल की महत्वपूर्ण सीट हासिल करना बड़ी चुनौती है। मंडला प्रदेश की सबसे दिलचस्प सीट है। आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित इस सीट पर बीजेपी ने पुराने चेहरे केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते पर दांव खेला है तो वहीं कांग्रेस चार बार के विधायक ओमकार सिंह मरकाम को मैदान में उतारा है. इस सीट पर आदिवासी वोटर निर्णायक होते हैं। बीजेपी ने बालाघाट सीट पर ढाल सिंह बिसेन का टिकट काटकर भारती पारधी को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस की तरफ से इस सीट पर सम्राट सिंह सारस्वत ताल ठोकेंगे। पिछले चुनाव में बीजेपी ने इस सीट पर जीत हासिल की थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आखिर क्यों कम हो रही समाज में सहनशीलता!

> सबसे बड़ी बात तो कि समाज का बहुत तेजी से नैतिक पतन हो रहा है और उसकी सहनशीलता भी कम होती जा रही है। ये एक खतरनाक स्थिती है इस पर सरकार व समाज को ध्यान देना होगा नहीं तो समाज का तानाबाना टूट जाएगा। वैसे तो भारत में सदियों से प्रचलित दहेज प्रथा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है।

अभी गत दिनों प्रयागराज से एक अचंभित करने वाली खबर आई। इसमें एक ससुराल वालों ने दामाद को जलाकर मार डाला। बात बस इतनी सी थी कि लड़की के परिजनों को यह जानकारी मिली थी वह उनकी पुत्री को प्रताड़ित कर रहा था। घटना आई और चली गई। पर कई सवाल छोड़ गई। सबसे बड़ी बात तो कि समाज का बहुत तेजी से नैतिक पतन हो रहा है और उसकी सहनशीलता भी कम होती जा रही है। ये एक खतरनाक स्थिती है इस पर सरकार व समाज को ध्यान देना होगा नहीं तो समाज का तानाबाना टूट जाएगा। वैसे तो भारत में सदियों से प्रचलित दहेज प्रथा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। एक तरफ वे लोग हैं जो वैवाहिक बंधन के नाम पर सौदेबाज़ी करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते तो दूसरी ओर समाज में एक ऐसा स्वार्थी वर्ग पनप रहा है जो दहेज विरोधी कानून का दुरुपयोग करने में किंचित मात्र भी संकोच नहीं करता। बीते दिनों एक ऐसे ही झूठे मामले के विरुद्ध कड़ा संज्ञान लेते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने महिला द्वारा ससुराल पक्ष पर लगाए गए झूठे दहेज उत्पीड़न एवं दुष्कर्म के आरोपों को 'घोर क्रूरता' बताते हुए अक्षम्य करार दिया।

दरअसल, दहेज उन्मूलन हेतु स्थापित धारा 498-ए का दुरुपयोग विगत कुछ वर्षों से चिंताजनक रूप धारण करने लगा है। बलात्कार एक भयावह अत्याचार है किंतु ऐसे मामले भी देखने में आए जहां संपत्ति विवाद अथवा अन्य पारिवारिक कारणों के चलते ससुराल पक्ष से संबद्ध किसी व्यक्ति पर मिथ्यारोप जड़ दिए गए। अर्नेश कुमार बनाम बिहार सरकार मामले पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने 498-ए की आड़ में मिथ्या दोषारोपण के अनवरत बढ़ते प्रकरणों को लेकर गंभीर चिंता जताई थी, जोकि कतई निराधार नहीं। नि:संदेह, दहेज प्रथा समूचे समाज के लिए अभिशाप है, जिसके कारण अनेक बेटियों को मानसिक, शारीरिक अथवा सामाजिक संताप झेलना पड़ता है। आईपीसी-1860 के सामान्य प्रावधान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही साल 1983 में इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए जोड़ी गई। इसके तहत, कोई महिला पति अथवा ससुरालजनों द्वारा क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने या मानसिक, शारीरिक अथवा अन्य किसी प्रकार से प्रताड़ित किए जाने पर इसके विरोध में शिकायत दर्ज करा सकती है। दोष सिद्ध होने पर अपराधी को भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत, 3 वर्ष की क़ैद तथा जुर्माना हो सकता है अथवा दहेज अधिनियम, 1961 के अनुसार, पांच वर्ष की क़ैद तथा 15,000 रुपये तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। समाज को अब अपना आत्मावोलकन करना आवश्यक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत सतर्क रहे मास्को में हुए हमले से

पुष्परंजन

मास्को के क्रॉकस सिटी हाल पर 22 मार्च को भयावह आतंकी हमले के सिलसिले में जिन चार ताजिकों पर कोर्ट ट्रायल चल रहा है, उनकी नागरिकता की जिम्मेदारी लेने से ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान ने पल्ला झाड़ लिया है। ताजिक राष्ट्रपति ने पुतिन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकियों की कोई राष्ट्रीयता नहीं होती। करीब 137 लोगों की हत्या करने वालों के साथ आपको जैसा सुलूक करना हो, करें। जिन चार ताजिकों की तुड़ाई रशियन जांच एजेंसियों ने की है, उन लोगों की पहचान सैदाक्रम राजाबलीजोडा, दलेरजोन मिर्जोव, मुहम्मद सोबिर फैजोव और फरीदुन शम्सिद्दीन के रूप में की गई है। अदालत ने कहा कि बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान चार में से तीन लोगों ने अपना दोष स्वीकार कर लिया है। रूसी मीडिया रिपोर्टों में 11 गिरफ्तारियां बताई गई थीं। मगर, चार के बाद वो बाकी लोग कौन हैं? यह सवाल अनुत्तरित है।

यूक्रेन बार-बार पल्ला झाड़ रहा है कि इस हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं। पुतिन ने इस कांड का पूर्वाभास देने वाले अमेरिका के विरुद्ध अलग से मोर्चा खोल रखा है। खबर यह बन रही है कि यह सब सीआईए का किया-कराया है, जिसके तार यूक्रेन से जुड़े हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है, रूसी इंटेलीजेंस की विफलता। पुतिन इस चूक को मानने से इनकार कर रहे हैं। मगर, पुतिन के विरोधी बोल रहे हैं कि रूसी इंटेलीजेंस के लोगों को केवल सिस्टम की आलोचना करने वालों के पीछे लगा रखा है, इन्हें देश की सुरक्षा से मतलब नहीं। दूसरी ओर ताजिक राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के बयान के बाद उनके देश में ही राजनीति शुरू हो गई है। विपक्षी इस्लामिक रेनेसां पार्टी ऑफ ताजिकिस्तान (आईआरपीटी) के नेता मुहिद्दीन कबीरी ने अपने कुछ नागरिकों को कट्टरपंथी बनाने के लिए इमोमाली रहमान की तानाशाह नीतियों और इस्लाम के विरुद्ध कार्रवाई को जिम्मेदार ठहराया है। 'आईआरपीटी' जो कभी सरकार में सहयोगी थी, अब ताजिकिस्तान में प्रतिबंधित है।

रूसी सांसद अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा कि कार के अंदर ताजिक पासपोर्ट पाए गए थे, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर संदिग्धों ने मॉस्को से लगभग 340 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ब्रांस्क क्षेत्र में रूसी पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले किया पहले घायल हो गया था, जिसका ब्रांस्क अस्पताल में इलाज किया गया है। रूसी मीडिया की रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो क्लिप्स ने प्रवासी ताजिक नागरिकों पर शामत ला दी है। रूस, सेंट्रल एशियाई देशों के लाखों श्रमिकों के लिए घर जैसा है। रूस में 18 से 20 लाख के लगभग ताजिक मूल के लोग हैं। वहां क्रॉकस सिटी हाल हत्याकांड से लोग इतने आहत और गुस्से में हैं कि ताजिक विरोधी दंगे भी कई जगहों पर देखने को मिल रहे हैं।

था। राजाबलीजोडा, वह शख्स है, जिसका कोर्ट ट्रायल हो रहा है। एक वीडियो क्लिप में उसे मॉस्को हमले में भाग लेने की बात कबूल करते हुए दिखाया गया है। वीडियो फुटेज में रूसी सुरक्षा अधिकारियों को उस शख्स का कान काटते हुए दिखाया गया है। उसके सिर पर पट्टी बंधी हुई और चेहरा और टी-शर्ट खून से लथपथ भी दिखाया गया है। उस व्यक्ति का कहना है कि हमले के स्थान से भागते समय उसने और उसके अन्य साथियों ने अपने हथियार सड़क पर कहीं छोड़ दिए थे। ताजिक लहजे में रूसी बोलते हुए, एक और शख्स फरीदुन शम्सिद्दीन वीडियो फुटेज में कह रहा है कि अंधाधुंध गोलियां बरसाने के लिए उसे एक मिलियन रूबेल देने की पेशकश की गई थी। ऐसे वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि भी एक अलग चुनौती है। संदिग्धों में 19 वर्षीय मुहम्मद सोबिर फैजोव भी शामिल है, जो ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे का रहने वाला है। फैजोव कथित तौर पर गिरफ्तारी से सुदूर पूर्वी शहर ब्लागोवेशचेंस्क में ताजिक प्रवासियों द्वारा चलाए जा रहे एक कैफेटेरिया में आग लगा दी गई, जबकि पश्चिमी रूसी शहर कलुगा में कथित तौर पर तीन ताजिकों को पीटा गया। कई रूसी शहरों में ड्राइवर ताजिक होने का पता लगते ही टैक्सी सेवा के ग्राहक कथित तौर पर अपना ऑर्डर रद्द करने लगे।

ताजिक के शक में सेंट्रल एशियाइयों के विरुद्ध भी कुछ ऐसी ही प्रतिक्रियाएं देखने को मिलने लगी हैं। गत 23 मार्च को मॉस्को के शेरेमेतयेवो हवाई अड्डे पर दर्जनों किर्गिज पुरुषों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगभग 24 घंटों तक कोई भोजन या पानी नहीं मिला है, और महिलाओं और बच्चों को किर्गिस्तान की उड़ानों में वापस भेज दिया गया है। ताजिकिस्तान पहले सोवियत संघ का हिस्सा था जिसके विघटन के बाद 1991 में एक स्वतंत्र देश बना। 1992 से 1997 के कालखंड में गृहयुद्धों की मार झेल चुके इस देश की कूटनीतिक-भौगोलिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है।

ड्रोन उड़ानों के नियमन हेतु समग्र कानून जरूरी

के.पी. सिंह

ड्रोन-तकनीक ने दैनिक प्रशासनिक एवं पुलिस संबंधित समस्याओं के निवारण को आसान बना दिया है। हवाई फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी, यातायात नियंत्रण, आपदा नियंत्रण, निर्माण एवं संचार सेवाओं के सुचारु संचालन, फसलों के सर्वेक्षण तथा उन पर कीटनाशकों का छिड़काव, सीमाओं पर निगरानी, दूरगामी क्षेत्रों में दवाइयों एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में ड्रोन सहायक साबित हो रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 'गरुड पोर्टल' नामक एक सुविधा उपलब्ध कराई थी जिसके माध्यम से मानव रहित यान (ड्रोन) का प्रयोग करके आकाश से फोटोग्राफी, निगरानी और नागरिकों के लिए आवश्यक संदेशों को प्रसारित किया गया था। सरकारी विभागों में ही नहीं, प्राइवेट क्षेत्र में भी ड्रोन-तकनीक का उपयोग व्यापक स्तर पर हो रहा है। व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए ड्रोन के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के साथ-साथ मनोरंजन के क्षेत्र में भी प्रयोग किए जा रहे हैं।

पिछले महीने, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में एक ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जांच में पाया गया कि इस मानवरहित यान का प्रयोग करके एक व्यक्ति अनधिकृत रूप से दवाइयों की आपूर्ति में संलिप्त था। फरवरी, 2024 में भोजन ले जा रहा ड्रोन एक मकान की छत पर लगे एंटिना से टकरा कर चूर-चूर हो गया था तथा मकान को भी क्षति पहुंचाई थी। आतंकवादी और असामाजिक तत्व सीमा पार से मानवरहित यानों का प्रयोग करके हथियार और नशीले पदार्थ निरंतर भारतीय क्षेत्र में गिराते रहते हैं। पुलिस इस दुविधा में रहती है कि क्या कानून ऐसे ड्रोनों को मार गिराने की इजाजत देता है अथवा नहीं? वहीं दूसरी ओर हाल ही में हरियाणा पुलिस ने जब पंजाब-हरियाणा सीमा पर किसानों के मार्च को रोकने के लिए ड्रोन से आंसू गैस के गोले गिराए थे तो लोगों ने इस कार्रवाई की आलोचना की थी। इन घटनाओं में यह तथ्य उजागर होता है कि मानवरहित यानों के संचालन से संबंधित पर्याप्त कानूनों का अभाव ही नहीं, अपितु जो नियम हैं भी उनकी पालना नहीं हो पा रही है।

मानवरहित यानों से संबंधित भारत में सबसे पहले नियम महानिदेशक नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) ने 'भारतीय वायुयान अधिनियम 1934' के अन्तर्गत बनाए गए थे जिन्हें 'सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट-2018' (सीएआर) नाम दिया गया था। 12 मार्च, 2021 को 'सीएआर' को बदलकर 'मानवरहित विमान प्रणाली नियम-2021' (यूएएस रूल्स) स्थापित किए गए थे। इन नियमों में ड्रोन से संबंधित मूल अधिनियम जैसे पंजीकरण, लाइसेंस, निजता और सूचना की गोपनीयता तथा उड़ानों से संबंधित प्रावधान किए गए हैं। अगस्त, 2021 में, 'यूएएस रूल्स' में संशोधन करके 'ड्रोण नियम 2021' अधिसूचित किए गए थे, जिनमें वर्ष 2022, 2023 और 2024 में निरन्तर संशोधन किए जाते रहे हैं। अप्रैल, 2021 में, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर, पूरे देश में सुरक्षा बलों को 'यूएएस-रूल्स' से मुक्त करके उन्हें ड्रोन के उपयोग की छूट दे दी गई थी। यद्यपि इसका कानूनी परीक्षण अभी नहीं हो पाया है कि क्या पुलिस ड्रोन के माध्यम से प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले गिरा सकती है अथवा नहीं। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंसू गैस का वर्गीकरण गोला-बारूद तथा खतरनाक अवयव की श्रेणी में किया जाता है।

वर्तमान में लागू नियमों के अनुसार ड्रोनों को उनके वजन के आधार पर पांच श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। 250 ग्राम अथवा उससे कम भार वाले ड्रोन को 'नैनो', 250 ग्राम से 2 किलोग्राम तक के मानवरहित यानों को 'माइक्रो' 2 किलोग्राम से 25 किलोग्राम तक के ड्रोनों को 'स्माल', 25 किलोग्राम से 150 किलोग्राम तक के भार वाले मानवरहित यानों को 'मीडियम' तथा 150 किलोग्राम से अधिक वजन वाले ड्रोनों को 'लार्ज' श्रेणी में रखा गया है। मानवरहित यानों का संचालन करने वाले व्यक्ति के पास 'रिमोट पायलट सर्टिफिकेट' (आरपीसी) होना अनिवार्य है। आरपीसी पाने के लिए व्यक्ति की उम्र 18 वर्ष से अधिक हो तथा वह 10वीं कक्षा पास होना चाहिए। इसके अतिरिक्त उसके पास 'डीजीसीए' द्वारा अधिकृत संस्थान से प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र होना भी जरूरी है। 'नैनो' ड्रोन तथा 2 किलोग्राम वजन से कम वाले गैर-व्यावसायिक मानवरहित यान उड़ाने के लिए 'आरपीसी' की जरूरत नहीं है। हालांकि इस प्रकार के यंत्र केवल 50 फीट की ऊंचाई तथा 25 मीटर प्रति सैकेंड की गति से अधिक नहीं उड़ाए जा सकते हैं। कोई भी मानवरहित यान 400 फीट की ऊंचाई से अधिक नहीं उड़ाया जा सकता तथा ड्रोन हमेशा पायलट की सीधी दृष्टि में होना चाहिए।

हवाई अड्डों, मिलिट्री संस्थानों, वन्य संरक्षित क्षेत्र तथा पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों के ऊपर ड्रोन उड़ाने की मनाही है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के 5 किलोमीटर तथा नागरिक हवाई अड्डों के 3 किलोमीटर के दायरे में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। मानवरहित यान का व्यावसायिक प्रयोग करने से पहले डीजीसीए से परमिट लेना आवश्यक है। 'नैनो' केटेगरी के मानवरहित यानों को छोड़कर, बाकी सभी ड्रोनों का मोटर व्हीकल इंश्योरेंस की तर्ज पर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस करवाना जरूरी है ताकि दुर्घटना में होने वाले किसी नुकसान की भरपाई की जा सके। शराब पीकर अथवा नशीले पदार्थों का सेवन करके मानवरहित यान का उड़ाना प्रतिबंधित है।

बच्चों को ऐसे सिखाएं अच्छी आदतें

बच्चों को सजा देने से वे और भी आक्रामक हो सकते हैं

बच्चे अगर बदमाशी न करें तो उनका बचपन अधूरा ही रह जाएगा। इसलिए उन्हें रोकें नहीं लेकिन यह जरूर बताएं कि कब उनकी बदमाशी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बच्चों को डांटकर या उन पर चिल्लाकर इसका समाधान न ढूंढें बल्कि दूसरे तरीके अपनाकर उन्हें बेहतर तरीके से समझाया जा सकता है। तो आइए जानें कि बिना पनिशमेंट दिए कैसे सिखाएं अच्छी आदतें। बच्चे जब बदमाशी करते हैं तो सारा पेशन्स जवाब दे देता है। गुस्से से हम अपना आपा भी खो देते हैं और बच्चे पर हाथ भी उठा देते हैं जो कि पूरी तरह गलत है। बच्चों को सजा देने से वे और भी आक्रामक हो सकते हैं या फिर हमारी डांट-मार के डर से हमसे बातें छुपाने लगते हैं और डरपोक बन सकते हैं।

देर रात तक जगना

बच्चा अगर रात में नहीं सो रहा है और बदमाशी करता है, तो उसे डांट कर सुलाने की जगह क्रिएटिव तरीके का इस्तेमाल करें। बच्चे को एक लाइन में सिंपल तरीके से समझाएं कि तुमने मिसबिहेव किया है इसलिए तुम्हें सीधा बेड पर जाना है। यह कोई पनिशमेंट नहीं है बल्कि तुम्हारे दिमाग को शांत करने की तकनीक है, क्योंकि तुम्हारा दिमाग थोड़ा थक गया है और अब वो रात भर सो कर जब सुबह उठेगा तभी रिलैक्स होगा। इस तरह वे जल्दी सोना सीखेंगे।

ऐसे दें सजा

जिम्मेदारी का आभास कराने के लिए उन्हें बोलें कि जो मदद नहीं करेगा वो गेम नहीं खेल पाएगा। इसे बच्चे सजा की तरह नहीं बल्कि एक गेम समझ कर खेलेंगे और जल्दी-जल्दी अपनी जिम्मेदारियां पूरी करेंगे। इस तरह वे जिम्मेदार बनेंगे। अगर दो भाई-बहन आपस में लड़ रहे हैं तो उनकी सुलह कराने में आपकी हालत खराब हो सकती है। ऐसे में शांति से बोलें कि अगर आप लोग लड़ेंगे तो अगले 30 घंटे आप दोनों को एक दूसरे के साथ ही बिताना पड़ेगा, यही नियम है। इससे बच्चे एक समय के बाद लड़ाई भूल कर खुद ही सुलह कर लेते हैं और आपको परेशान नहीं करते हैं।

तेज गुस्सा

अगर बच्चे को बहुत तेज गुस्सा आता है, तो उसे आंखें दिखाने की जगह गले लगाएं या फिर फौरन 10 मिनट का ब्रेक लें। न बच्चे को लज्जित महसूस कराएं, न उन्हें डांटें, न मारें, सीधा अपनी बात बोलें कि हमें दस मिनट का ब्रेक लेना चाहिए और कमरे से बाहर चले जाएं। जाने से पहले कमरे में कोई बुक या टॉय दिखे तो उसे रखते हुए जाएं जिसमें बच्चा व्यस्त हो जाए और आप खुद को शांत कर सकें। इससे बच्चा अपनी भावनाएं हैंडल करना सीखेगा। हां, ये उम्र के अनुसार ही करें। अधिक छोटे बच्चे सिर्फ गोद में ही रहना चाहते हैं।

मजेदार नियम बनाएं

अगर बच्चा होमवर्क करने की जगह समय बरबाद कर रहा है, तो एक मजेदार नियम बनाएं जिसमें बच्चे को ये बोलें कि जो होमवर्क जितना देर से करेगा उतना टाइम उसके फेवरेट काम में से काट दिया जाएगा। फिर चाहे वो साइक्लिंग हो, पार्क जाना हो, आर्ट एंड क्राफ्ट करना हो या वीडियो गेम खेलना हो। इससे बच्चे समय से अपने होमवर्क को खत्म करने के लिए सीरियस होंगे।

हंसना मना है

बंताः तेरे घर से हमेशा हंसने कि आवाज आती है, इतनी खुशी का राज़ क्या है? संताः मेरी बीवी मुझे जूते से मारती है, लग जाये तो वो हंसती है, नहीं लगे तो मैं हंसता हूं!

मैंने सुना है आप बहुत कमजोर हो गए हो, फिट रहने के लिए रोज 1 चम्मच खाया करो अंबुजा सिमेंट क्योंकि इस सिमेंट में जान है!

पत्नी- शादी से पहले तुम मुझे होटल, सिनेमा, और न जाने कहां- कहां घुमाते थे, शादी हुई तो घर के बाहर भी नहीं ले जाते.. पति- क्या तुमने कभी किसी को.. चुनाव के बाद प्रचार करते देखा है।

मास्टर जीः अगर पृथ्वी के अंदर LAVA है तो बाहर क्या है? संजूः मास्टर जी बाहर ओप्पो और VIVO है।

सरः अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? सांताः बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबैंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबैंड घर से चला गया, हसबैंडः रात को फोन पे, खाने में क्या है, वाईफः जहर। हसबैंडः मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

कहानी: चतुर मुर्गा

एक घने जंगल में एक पेड़ पर मुर्गा रहा करता था। वह रोज सुबह सूरज निकलने से पहले उठ जाता था। उठने के बाद वह जंगल में दाना-पानी चुगने के लिए चला जाता था और शाम होने से पहले वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक चालाक लोमड़ी भी रहती थी। वह रोज मुर्गे को देखती और सोचती, कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। अगर यह मेरे हाथ लग जाए, तो कितना स्वादिष्ट भोजन बन सकता है, लेकिन मुर्गा कभी भी उस लोमड़ी के हाथ नहीं आता था। एक दिन मुर्गे को पकड़ने के लिए लोमड़ी ने एक तरकीब निकाली। वह उस पेड़ के पास गई, जहां मुर्गा रहता था और कहने लगी, अरे ओ मुर्गे भाई! क्या तुम्हें खुशखबरी मिली? जंगल के राजा और हमारे बड़ों ने मिलकर सारे लड़ाई-झगड़े खत्म करने का फैसला किया है। आज से कोई जानवर किसी दूसरे जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इसी बात पर आओ, नीचे आओ। हम गले लगकर एक दूसरे को बधाई दें। लोमड़ी की यह बात सुनकर मुर्गे ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और कहा, अरे वाह लोमड़ी बहन, ये तो बहुत अच्छी खबर है। पीछे देखो, शायद इसलिए हमसे मिलने हमारे कुछ और दोस्त भी आ रहे हैं। लोमड़ी ने हैरान हो कर पूछा, दोस्त? कौन दोस्त? मुर्गे ने कहा, अरे वो शिकारी कुत्ते, वो भी अब हमारे दोस्त हैं न? कुत्तों का नाम सुनते ही, लोमड़ी ने न आव देखा न ताव और उनके आने की उल्टी दिशा में दौड़ पड़ी। मुर्गे ने हंसते हुए लोमड़ी से कहा, अरे-अरे लोमड़ी बहन, कहां भाग रही हो? अब तो हम सब दोस्त हैं न? हां-हां दोस्त तो हैं, लेकिन शायद शिकारी कुत्तों को अभी तक यह खबर नहीं मिली है, यह कहते हुए लोमड़ी वहां से भाग निकली और मुर्गे की सूझबूझ की वजह से उसकी जान बच गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे।

वृषभ — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा।

मिथुन — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी।

कर्क — किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह — घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

कन्या — शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

तुला — शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

वृश्चिक — घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

धनु — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

कुम्भ — शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन — चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कंगुवा के बाद सूर्या की नई फिल्म 'लव लाफ्टर वॉर' का पोस्टर लांच

साउथ के सुपरस्टार इस समय अपनी शानदार एक्टिंग की वजह से इंडस्ट्री में छाए हुए हैं। उनकी परफॉर्मेंस की हर बार तारीफ होती है साथ ही फैंस हमेशा उनके काम की सराहना करने से पीछे नहीं हटते हैं। सूर्या इन दिनों अपनी फिल्म कंगुवा को लेकर बिजी थे, जिसका टीजर और पोस्टर चर्चा का विषय बना हुआ था। वहीं फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार करते हुए भी नजर आ रहे हैं। इसी बीच सूर्या ने अपनी अपकमिंग नई फिल्म की अनाउंसमेंट कर दी है। इस फिल्म के लिए सूर्या ने डायरेक्टर कार्तिक सुब्बाराज के साथ हाथ मिलाया है। इस नई फिल्म का नाम लव लाफ्टर वॉर है।

सूर्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके अपनी फिल्म की अनाउंसमेंट की है। उन्होंने एक पोस्टर भी शेयर किया है। जिसे देखने के बाद से फैंस में इसे लेकर एक्साइटमेंट बढ़ गया है। सूर्या ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा-नई शुरुआत, आप सभी की शुभकामनाओं की जरुरत है। लव लॉफ्टर वॉर।

सूर्या के अलावा कार्तिक ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके फिल्म की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा-मेरी अगली फिल्म हमेशा से शानदार सूर्या सर के साथ है। सूर्या 44 के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। कार्तिक और सूर्या के पोस्ट के बाद से फैंस ने इन पर कमेंट करके खुशी जाहिर करना शुरू कर दिया था। एक ने लिखा- ये एक्सपेक्टेड नहीं था सर, बेस्ट विशेज। वहीं दूसरे ने लिखा-तमिल सिनेमा में सबसे ज्यादा अनएक्सपेक्टिड कॉम्बो है।

सूर्या के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही कंगुवा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को शिवा ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म से बॉबी देओल और दिशा पाटनी तमिल इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है। इनके अलावा फिल्म में नटराजन सुब्रमण्यम, जगापति बाबू, योगी बाबू समेत कई कलाकार अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। कंगुवा को केई गनानवेल राजा, वीवी वमशी कृष्ण रेड्डी और प्रमोद प्रोड्यूस कर रहे हैं। ये फिल्म स्टूडियो ग्रीन और यूवी क्रिएशन बैनर के तले बन रही है। ये फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हीरोपंती के बाद टाइगर दीदी के नाम से जानी जाती थीं कृति

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी फिल्म द क्रू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री करीना कपूर और तब्बू के साथ मुख्य भूमिका में हैं। कृति सेनन फिल्मों के अलावा तमाम विषयों पर अपनी राय देने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू के दौरान कृति सेनन ने बताया कि उनकी पहली फिल्म हीरोपंती के बाद लोग उन्हें टाइगर श्रॉफ की फिल्म में नजर आने वाली लड़की कहकर बुलाते थे। इस पर अभिनेत्री ने अब अपनी राय रखी है। एक कार्यक्रम के दौरान कृति अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की और याद किया कि कैसे उन्हें एक स्टार किड टाइगर श्रॉफ के साथ अभिनय की शुरुआत करनी पड़ी थी। उन्होंने इनसाइडर और आउटसाइडर की बहस का भी हिस्सा लिया और कहा कि शाहरुख खान इस बहस के एक आदर्श उदाहरण हैं। दिल्ली की एक लड़की ने फिल्म में करियर बनाने के लिए इंजीनियरिंग छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में पहुंचने की दिशा में काम किया और आज इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों की लिस्ट में शुमार हैं। कृति ने बॉलीवुड में इनसाइडर्स और आउटसाइडर्स के बहस में शाहरुख का उदाहरण दिया। शाहरुख के भी उन्हीं की तरह दिल्ली के एक लड़के थे और मुंबई में कुछ बड़ा करने की कोशिश में आए थे, उन्होंने कहा, शाहरुख खान एक पूरी तरह से बाहरी व्यक्ति हैं और इस बहस को खत्म करने के लिए एक बड़ा नाम भी हैं। उन्होंने आगे बताया कि जब टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी पहली फिल्म हीरोपंती रिलीज हुई थी तो लोग उन्हें टाइगर दीदी कहकर बुलाते थे। अभिनेत्री ने कहा कि जब आप फिल्म इंडस्ट्री से नहीं होते हैं तो लोगों को आपका नाम जानने और आपके नाम को आपके चेहरे से मिलाने में थोड़ा समय लगता है। उन्होंने बताया कि काफी लंबे समय तक लोग उन्हें टाइगर श्रॉफ की फिल्म में नजर आने वाली लड़की कहकर कहते थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति क्रू के बाद दो पत्ती में नजर आएंगी। द क्रू रिया कपूर द्वारा निर्देशित और एकता कपूर द्वारा निर्मित है। वहीं फिल्म दो पत्ती में कृति सेनन अभिनय के साथ-साथ निर्माण भी कर रही हैं।

200 फिल्में की परंतु बसंती के किरदार से मैं कभी बाहर नहीं आ पाई : हेमा मालिनी

ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी को उनके फैंस बसंती कहकर भी बुलाते हैं। 1975 की क्लासिक फिल्म शोले में हेमा ने बसंती का किरदार निभाया था। अभिनेत्री को कई बार कहते हुए देखा गया है कि वह इस किरदार से कभी बाहर नहीं आ सकेंगी। बॉलीवुड के साथ हेमा मालिनी में राजनीति में भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई हुई है। ऐसे में भाजपा सांसद मथुरा से तीसरा लोकसभा कार्यकाल चाह रही हैं।

हेमा मालिनी ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, मैं बसंती की छाया से कभी बाहर नहीं आऊंगी। मैं उसी के साथ पैदा हुई थी। मैंने 200 फिल्में की हैं और लोग अब भी मुझे शोले की बसंती या सीता और गीता और बागबान के रूप में याद करते हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी को बताती हूं कि मैं एक में तीन हूं, एक फिल्म कलाकार, एक डांसर और एक राजनीतिज्ञ। अपनी रिलीज के इतने वर्षों बाद भी रमेश सिप्पी की शोले अपने कलाकारों और किरदारों के साथ एक बड़ा आकर्षण बनी हुई है। हेमा के साथ फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, अमजद खान, संजीव कुमार जैसे किरदार भी नजर आए थे। फिल्म के सभी कलाकार हिट हैं। मगर जय-वीरू की जोड़ी और बसंती का किरदार दर्शकों को बेहद पसंद है। बसंती का किरदार हेमा मालिनी के भी पसंदीदा किरदारों में से एक है।

हेमा मालिनी भरतनाट्यम करती हैं। वह लाइव शो में भी प्रस्तुति देती रहती हैं। इसे लेकर उन्होंने कहा, मैं अपने शास्त्रीय नृत्य के प्रति समर्पित हूं। मैं भगवान की शुक्रगुजार हूं कि मुझे सही समय पर अवसर दिए गए। हेमा मालिनी अब फिल्मों में वापसी के लिए एक अच्छी स्क्रिप्ट देख रही हैं। उन्होंने कहा, अगर फिल्मों में कोई अच्छी भूमिका होगी तो मैं वह भी करूंगी। अगर कोई मुझे कोई अच्छा रोल ऑफर करता है, जो आज के समय में मेरे लिए ठीक होगा। तो मैं उसे जरूर करूंगी। लेकिन अभी तक कुछ भी पाइपलाइन में नहीं है।

महल से कम नहीं पानी के अंदर बना ये होटल एक रात का किराया जानकर उड़ जाएंगे होश!

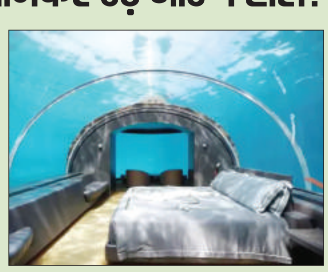

दुनिया के लगभग सभी शहरों में बड़े-बड़े होटल हैं जहां यात्री जाकर रुकते हैं और होटल का आनंद उठाते हैं। भारत में भी कई बड़े होटल मौजूद हैं। पर दुनिया में एक बेहद अनोखा होटल है, जो पानी के नीचे बना है। ये किसी महल से कम नहीं है, पर इसकी दीवारों को देखकर आपको लगेगा कि वो पानी से बनी हैं। आपको चारों ओर सिर्फ मछलियां नजर आएंगी। पर इस होटल में 1 रात रुकने का किराया आसमान छूता है। ये दुनिया का सबसे महंगा अंडरवॉटर होटल है। इस होटल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आप इसके अनोखे लुक को देख सकते हैं। ट्रैवल कपल @karaandnate ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो कुछ दिनों पहले पोस्ट किया था जिसमें दुनिया का सबसे महंगा अंडरवॉटर होटल देखने को मिल रहा है। इस होटल में रहना किसी अनुभव से कम नहीं है। वो इसलिए क्योंकि ये पूरी तरह समुद्र के नीचे बना है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस होटल का नाम मुराका है जो मालदीव्स में है। होटल में 1 रात रुकने के लिए आपको 17 लाख रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ेंगे। ये होटल समुद्र तल से 16 फीट नीचे है। वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि लिफ्ट से सबसे पहले पानी के नीचे जाना पड़ता है। जैसे ही आप नीचे पहुंचेंगे, आपको कांच की दीवारें नजर आएंगी जिसके दूसरी ओर सिर्फ समुद्र दिख रहा है। मछलियां चारों ओर नजर आ रही हैं। बेडरूम तो और भी ज्यादा हैरान करने वाला है क्योंकि उसमें छत से लेकर दीवारों तक में सिर्फ पानी नजर आ रहा है। कई लोगों को ये डरावना भी लग सकता है। बाथरूम भी ओपन है, सामने पानी और मछलियां दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो को 8 करोड़ व्यूज मिल चुके हैं जबकि लाखों लोगों ने लाइक किया है और हजारों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि सोचिए, रात में कितना अंधेरा हो जाता होगा, पता ही नहीं चलता होगा कि कांच के दूसरी ओर क्या चीज है! वहीं एक ने पूछा कि आखिर इसे बनाया कैसे गया होगा? एक इंफ्लुएंसर ने भी कमेंट किया और बताया कि वो इस कमरे में रुक चुकी है और वो बहुत डरावना अनुभव था।

अजब-गजब | महाराष्ट्र के रायगढ़ में स्थित है यह गांव

भारत का वो जाना-माना शहर, जहां कार लेकर नहीं जा सकता कोई

घूमने कहीं जाना हो, तो बहुत सारे लोग अपनी कार से जाना पसंद करते हैं। इसका सफर मजेदार होता है, साथ ही आपको सवारी नहीं ढूंढनी होती, लेकिन दुनिया में कई शहर ऐसे हैं, जहां कार चलाने पर रोक है। वहां आप कार लेकर नहीं जा सकते हैं। एक तो अपने भारत का ही जाना माना शहर हैं। यहां कार लेकर कोई नहीं जा सकता है। आइए जानते हैं इसकी वजह। साथ में ये भी जानेंगे कि इस खूबसूरत जगह कैसे पहुंच सकते हैं।

माथेरान नाम की ये जगह महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में है। इसे देश का सबसे छोटा हिल स्टेशन माना जाता है। लेकिन आपको जानकर हैरत होगी, यह एशिया का एकमात्र ऑटोमोबाइल-फ्री हिल स्टेशन है। यहां कोई भी कार या ऑटो से नहीं जा सकता। क्योंकि पर्यावरण की वजह से सरकार ने इसे संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया है। माथेरान सिर्फ एक हरे-भरे हिल स्टेशन से कहीं अधिक स्वर्ग की तरह नजर आता है। लेकिन यहां आने-जाने के लिए लोग घुड़सवारी का इस्तेमाल करते हैं। यहां कोई भी तेज आवाज नहीं निकाल सकता। हॉर्न बजाने पर पूरी तरह रोक है।

समुद्र तल से 2600 फीट की ऊंचाई पर मौजूद इस हिल स्टेशन पर घूमने के लिए बहुत कुछ है। मुंबई से केवल 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थिति इस स्टेशन तक जाने के लिए आप कार से कुछ दूर पहले उतरना होगा। उसके बाद घोड़ों के जरिये आप हिल स्टेशन जा सकते हैं। यहां के लुइसा पॉइंट आप ट्रैकिंग करते हुए 1.5 किलोमीटर का रास्ता आसानी से पार कर सकते हैं। चार्लोट झील माथेरान के सबसे शानदार आकर्षणों में से एक है। जो प्रकृति की गोद में शांति से बैठना चाहते हैं, वे यहां जा सकते हैं। ये जगह दुनिया की उन गिनी-चुनी जगहों में से एक है जहां रास्ते बेहद खतरनाक हैं। यहां घूमने के लिए आप टॉय ट्रेन से भी जा सकते हैं।

माथेरान के अलावा वेनिस इटली का वो शहर है, जहां कार चलाने की अनुमति नहीं है। इस शहर में कोई सड़क नहीं है। लोग आने-जाने के लिए गोंडाला का उपयोग करते हैं, जो एक नाव जैसी दिखती है। इसके अलावा गिएथूर्न में भी कार चलाने की इजाजत नहीं है। यह डच प्रांत ओवरिजस्सेल में बसा एक छोटा लेकिन विचित्र सा गांव है। कहीं भी आने जाने के लिए बिना हॉर्न बजाए नाव का उपयोग किया जाता है।

जनता को कर्ज में डुबो रही है सरकार : प्रियंका

कांग्रेस नेता ने की मोदी पर सवालों के बौछार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे विरोधी दल के नेताओं के हमले भी बढ़ते जा रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेते हुए सरकार से कई सवाल किए हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा, वित्त मंत्रालय का कहना है कि भारत सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में 14 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज लेने जा रही है, क्यों? आजादी के बाद से वर्ष 2014 तक, 67 सालों में देश पर कुल कर्ज 55 लाख करोड़ था। पिछले 10 वर्ष में अकेले मोदी जी ने इसे बढ़ाकर 205 लाख करोड़ पहुंचा दिया। इनकी सरकार ने लगभग 150 लाख करोड़ कर्ज लिया बीते 10 साल में, आज देश के हर नागरिक पर लगभग डेढ़ लाख का औसत कर्ज बनता है, यह पैसा राष्ट्रनिर्माण के किस काम में लगा?।

नौकरियां हो गईं गायब

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा हुईं या दरअसल नौकरियां तो गायब हो गईं? क्या किसानों की आमदनी दोगुनी हो गई? क्या स्कूल और अस्पताल चमक उठे? पब्लिक सेक्टर मजबूत हुआ या कमजोर कर दिया गया? क्या बड़ी-बड़ी फ़ैक्ट्रियां और उद्योग लगाये गये?

कोर सेक्टर्स में बदहाली है आखिर पैसा कहां गया

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ, अगर अर्थव्यवस्था के कोर सेक्टर्स में बदहाली देखी जा रही है, अगर श्रम शक्ति में गिरावट आई है, अगर छोटे-मध्यम कारोबार तबाह कर दिए गए - तो आखिर यह पैसा गया कहां? किसके ऊपर खर्च हुआ? इसमें कितना पैसा बट्टेखाते में गया? बड़े-बड़े खरबपतियों की कर्जमाफी में कितना पैसा गया?

150 लाख करोड़ कर्ज लिया सरकार ने बीते 10 साल में

बीजेपी पर क्यों नहीं लगता आयकर का जुर्माना : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर आयकर विभाग, ईडी और सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को कमजोर करने और संविधान का अनादर करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आयकर विभाग ने पांच अलग-अलग वि ीय वर्षों के टै स रिटर्न में कथित विसंगतियों के लिए 1823.08 करोड़ रुपये के भुगतान के नए नोटिस उसे जारी किए हैं, लेकिन उसने भारतीय जनता पार्टी को लेकर आंखें बंद कर ली हैं जबकि उस पर 4600 करोड़ रुपये का जुर्माना बनता है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दावा किया कि केंद्र सरकार कांग्रेस को वि ीय रूप से दिवालिया करने का प्रयास कर रही है।

महिलाओं के लिए 50 फीसदी सरकारी नौकरियां आरक्षित करेगी कांग्रेस सरकार : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि अगर उनकी पार्टी स ा में आई तो महिलाओं के लिए 50 फीसदी सरकारी नौकरियां आरक्षित करेंगी। राहुल गांधी ने कहा कि श तशाली महिलाएं देश की नियति बदल देंगी। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने पूछा कि आज भी तीन में से केवल एक महिला कार्यरत है और 10 सरकारी नौकरियों में केवल एक महिला यों है। इसलिए, कांग्रेस ने फैसला किया है कि सभी नई सरकारी नौकरियों में आधी भर्ती महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा या भारत में महिलाओं की आबादी 50 प्रतिशत नहीं है? या उच्च माध्यमिक और उच्च शिक्षा में महिलाओं की उपस्थिति 50 प्रतिशत नहीं है? यदि हां, तो सिस्टम में उनकी हिस्सेदारी इतनी कम यों है। राहुल गांधी ने ए स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कांग्रेस चाहती है, आधी आबादी पूरा हक, हम समझते हैं कि महिलाओं की क्षमता का पूरा उपयोग तभी होगा जब देश चलाने वाली सरकार में महिलाओं का समान योगदान होगा।

महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के भी पक्ष में कांग्रेस

गांधी ने कहा कि हम संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के भी पक्ष में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षित आय, भविष्य, स्थिरता और आत्म-स मान वाली महिलाएं वास्तव में समाज की ताकत बनेंगी। वायनाड सांसद ने कहा कि 50 फीसदी सरकारी पदों पर महिलाओं के होने से देश की हर महिला को ताकत मिलेगी और शक्तिशाली महिलाएं भारत की किस्मत बदल देंगी।

भाजपा ने पिछले 20 साल में छिंदवाड़ा के लिए कुछ भी नहीं किया : कमलनाथ

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में 20 साल तक सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा ने उनके गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा के लिए कुछ भी नही किया। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास की बड़ी-बड़ी बातें जरूर करती है, लेकिन अपने गृह जिले के जनप्रतिनिधि के रूप में स्थानीय निवासियों के काम वह खुद करा रहे हैं। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा (विकास की) बड़ी-बड़ी बातें करती है। वह (राज्य में) 20 साल से सत्ता में है, लेकिन उसने छिंदवाड़ा जिले के लिए कुछ नही किया। चाहे कोई भी सरकार बनाए, जनता के काम हम करेंगे। उन्होंने कहा, छिंदवाड़ा नही रुकेगा क्योंकि मै ही हूं जो आपके काम करा रहा हूं। भावुक कमलनाथ ने सभा में कहा,मुझे अंत तक आपका प्यार और विश्वास मिलने की उम्मीद है और मै आपसे एक ही बात कहूंगा-आपको सच्चाई के साथ खड़ा होना चाहिए।

गरीबों के खिलाफ है कांग्रेस : हिमंता

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को कर का भुगतान नहीं करना गरीबों को लाभ से वंचित करना है। हिमंता बिस्वा सरमा कांग्रेस के एक बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें पार्टी ने कहा था कि उसे आयकर विभाग से नए नोटिस मिले हैं, जिसमें उसे 1,823.08 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा गया है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा, अगर कांग्रेस कर नहीं चुका रही है, तो इसका मतलब है कि वह कल्याणकारी गतिविधियों के खिलाफ है, वह गरीबों के खिलाफ है, वंचितों के खिलाफ है, कर के रूप में एकत्र किया गया पैसा अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों में जाता है, और इसलिए सरकार को कर की आवश्यकता होती है, कर आतंक नहीं है और दोनों दो अलग-अलग शब्द हैं।

फोटो: सुमित कुमार

जुलूस सहादतगंज स्थित मस्जिद ए कूफा से 19वीं रमजान को निकाला गया ग्लीम के ताबूत (कंबल का ताबूत) का जुलूस।

कांग्रेस को लगा एक और झटका

पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री की बहू बीजेपी में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनाव के बीच महाराष्ट्र में कांग्रेस को एक और झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल बीजेपी में शामिल हो गई हैं। शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकुरकर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गई हैं।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र कांग्रेस के कई नेताओं ने बीते दिनों पार्टी का साथ छोड़ा है। इनमें अशोक चव्हाण, मिलिंद देवड़ा और बाबा सिद्दिकी शामिल हैं। अशोक चव्हाण बीजेपी में शामिल हो गए हैं, जबकि मिलिंद देवड़ा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए और बाबा सिद्दिकी ने अजित गुट के नेतृत्व वाली एनसीपी का दामन थामा था।

बता दें कि महाराष्ट्र में लोकसभा के चुनाव पांच चरणों में होंगे। पहला चरण 19 अप्रैल, दूसरा चरण 26 अप्रैल और तीसरा चरण 7 मई को होगा। जबकि चौथे चरण के लिए 13 मई और पांचवें चरण के लिए 20 मई को वोट डाले जाएंगे। लोकसभा चुनाव की मतगणना चार जून को होगी।

केकेआर ने फेरा विराट की मेहनत पर पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को उनके घरेलू मैदान यानी चिन्नास्वामी में हराने में कामयाब रही। आरसीबी ने घरेलू मैदान पर केकेआर के खिलाफ 2015 में आखिरी जीत हासिल की थी। बेंगलुरु के घरेलू मैदान पर केकेआर ने उनके खिलाफ रिकॉर्ड बरकरार रखा।

वेंकटेश अय्यर ने कोलकाता के लिए 50 रनों की सबसे बड़ी पारी खेली। केकेआर ने इस जीत के साथ कोहली की शानदार पारी पर पानी फेर दिया। आईपीएल 2024 के 10वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 182/6 रन बोर्ड पर लगाए थे। टीम के लिए कोहली ने 4 चौके और 4 छक्के लगाकर 83* (59) रनों की पारी खेली थी, लेकिन वह आरसीबी को जीत नहीं दिला सकी। यह आईपीएल 2024 का पहला ऐसा मुकाबला ऐसा रहा, जिसमें घरेलू टीम ने हार का सामना किया। कोलकाता ने बेंगलुरु को 7 विकेट से शिकस्त दी। फिलिप साल्ट और सुनील नरेन ने पहले विकेट के लिए 86 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी कर केकेआर को अच्छी शुरुआत और 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने का कॉन्फिडेंस दिया। इसके बाद बाकी बचा हुआ काम वेंकटेश अय्यर और कप्तान श्रेयस अय्यर ने किया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़े।

कोलकाता ने बेंगलुरु को 7 विकेट से धोया

जमकर हुई आरसीबी के बॉलर्स की कुटाई

आरसीबी के बॉलर्स को केकेआर के बैटर्स ने जमकर आड़े हाथों लिया। यश दयाल, विजयकुमार वैश्य और मयंक डागर ने 1-1 विकेट झटका। विजयकुमार वैश्य सबसे किफायती रहे। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 23 रन खर्चे, वहीं मयंक डागर ने 2.5 ओवर में 23 दिए और यश दयाल ने 4 ओवर में 46 रन लुटाए। अल्जारी जोसेफ सबसे महंगे साबित हुए, जिन्होंने 2 ओवर में 34 रन खर्चे, इसके अलावा मोह मद सिराज ने 3 ओवर में 46 रन लुटाए।

नरसिंह राव-चौधरी चरण सिंह समेत पांच विभूतियों को मिला भारत रत्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत सरकार द्वारा चयनित पांच विभूतियों को भारत रत्न से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत अन्य नेता भी शामिल हुए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व पीएम नरसिंह राव, पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया है।

2020 से 2023 तक किसी को भी भारत रत्न नहीं दिया गया था, लेकिन 2024 के लिए केंद्र सरकार ने इन पांच विभूतियों को चुना। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस समारोह में केवल उप राष्ट्रपति लाल कृष्ण अडवानी को छोड़कर अन्य चार विभूतियों को मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान दिया गया। पूर्व पीएम नरसिंह राव को भारत रत्न से सम्मानित करने के फैसले पर उनके पोते एनवी सुभाष ने केंद्र सरकार की सराहना की।

एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा

21 निवर्तमान भाजपा सांसदों पर दर्ज हैं हत्या के मामले

» लोकसभा के 44 प्रतिशत निवर्तमान सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाली संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार निवर्तमान 514 लोकसभा सदस्यों में 225 (44 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की घोषणा चुनावी हलफनामों में की है। सबसे चौंकाने वाला रिपोर्ट बीजेपी से संबंधित है।

रिपोर्ट के अनुसार, आपराधिक मामलों वाले निवर्तमान सांसदों में 29 प्रतिशत के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश, साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा देना, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोप शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों वाले निवर्तमान सांसदों में नौ के खिलाफ हत्या के मामले हैं। इसके अनुसार, इन सांसदों में पांच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा 28 निवर्तमान सांसदों ने चुनावी हलफनामों में अपने खिलाफ हत्या के प्रयास से जुड़े मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इनमें से 21 सांसद भाजपा से हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी तरह, 16 निवर्तमान सांसद महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिनमें तीन के खिलाफ बलात्कार के आरोप हैं।

यूपी के कई सांसद आपराधिक आरोपों में घिरे

रिपोर्ट के अनुसार, राज्यवार आपराधिक मामलों मे, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के 50 प्रतिशत से अधिक सांसद आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे है। साथ ही, एडीआर के विश्लेषण में पाया गया है कि कुछ सांसदो के पास अरबों रुपए की संपत्ति है, जबकि अन्य के पास बहुत कम संपत्ति है। एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक संपत्ति की घोषणा करने वाले शीर्ष तीन सांसदो मे नकुल नाथ (कांग्रेस), डी के सुरेश (कांग्रेस), और के. रघु राम कृष्ण राजू (निर्दलीय) शामिल है जिनके पास अरबों रुपए की संपत्ति है। रिपोर्ट मे सांसदो की शैक्षणिक पृष्ठभूमि और उम्र आदि को भी रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 70 प्रतिशत सांसद स्नातक या उच्चतर शैक्षणिक योग्यता वाले है, जबकि सिर्फ 15 प्रतिशत निवर्तमान सांसद महिलाएं है।

पांच प्रतिशत उम्मीदवार अरबपति

एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, उसने इन निवर्तमान सांसदो के हलफनामो के विश्लेषण मे पाया कि इनमे से पांच प्रतिशत अरबपति है, जिनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपए से अधिक है। एडीआर की रिपोर्ट मे इन सांसदो की वित्तीय स्थिति का भी विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, बड़े राजनीतिक दलो मे, भाजपा और कांग्रेस के सर्वाधिक संख्या मे अरबपति सांसद है, हालांकि अन्य दलो के भी इस तरह के सांसदो की अच्छी-खासी संख्या है।

बढ़ने लगी तपिश, एसी व कूलर की बढ़ी मांग

» राजधानी व आसपास के जिलों में तापमान 36 डिग्री के पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

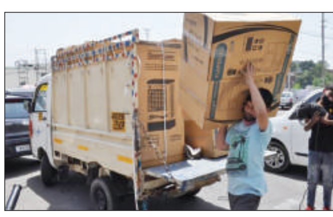

लखनऊ। होली के बाद से धीरे-धीरे यूपी में तापमान चढ़ता जा रहा है। सूरज की तपिश बढ़ते ही सड़के सुनसान होने लगी हैं। बाजारों में कूलर, पंखे व एसी की डिमांड भी बढ़ने लगी है। पिछले चार दिनों से गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। इससे राहत पाने के लिए लोगों को ठड़ी सहारा लेना पड़ रहा है। दोपहर में लू चलने जैसा माहौल बनने लगा है।

मार्च के अंतिम सप्ताह में जिस तरह से तापमान बढ़ा है उससे अप्रैल में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना हो गई है। मार्च के आखिरी सप्ताह में अधिकतम तापमान औसत से पांच डिग्री अधिक पहुंच गया है। जिसके चलते अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री रहा। तापमान बढ़ने से दोपहर में अधिक गर्मी रही। वहीं रात में भी गर्मी अपना एहसास कराने लगी है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि उत्तर-पश्चिम की हवा चल रही है, जिससे हवा में गर्मी है। इसी कारण दिन और रात का तापमान बढ़ रहा है और औसत से चार से पांच डिग्री तापमान बढ़ रहा है। अप्रैल के पहले सप्ताह में ही तापमान के 40 डिग्री पहुंचने की आशंका है।

फोटो :4 पीएम

आक्रोश राजनीतिक दलों के आयकर से छूट के बावजूद कांग्रेस को भेजे गए नोटिस के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन।

सरकारी गवाह के पिता को राजग से टिकट मिलने पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को दिल्ली शराब नीति मामले में सरकारी गवाह बने राघव मंगुता रेड्डी के पिता को लोकसभा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने के भाजपा सहयोगी टीडीपी के कदम पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी एक ऐसे व्यक्ति के लिए प्रचार करेगी जो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुख्य गवाह है। उन्होंने कहा कि हमने आपको शरत रेड्डी के बीजेपी से रिश्ते के बारे में बताया था। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार होने के बाद उन्होंने बीजेपी को पैसा दान दिया था। आज हम बात कर रहे हैं वाईएसआरसीपी के पूर्व सांसद मगुंटा रेड्डी और उनके बेटे राघव मंगुता रेड्डी की।

देवरिया में सिलेंडर फटा, तीन बच्चों समेत चार की मौत

» एक ही परिवार के थे चारों सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। देवरिया के भलुअनी थाना क्षेत्र स्थित डुमरी गांव में शनिवार 30 मार्च की सुबह एक घर में गैस सिलेंडर फट गया। गैस सिलेंडर फटने से चार लोगों की मौत हो गई है जिसमें एक महिला और तीन बच्चे शामिल है।

सिलेंडर फटने के कारण घर में आग लग गई। सिलेंडर फटने का धमाका इतना तेज था कि इससे कमरे की छत और दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई है। इस मामले पर पुलिस का कहना है कि डुमरी गांव स्थित एक घर में आग लगने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची टीम ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। इस हाथ में महिला और उसके तीन बच्चों की जिंदा चलकर मौत हो गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने बताया कि गांव के निवासी शिवशंकर गुप्ता सुबह कहीं जाने की तैयारी कर रहे थे। करीब चार बजे जब उनकी पत्नी आरती चाय बना रही थीं, तभी सिलेंडर फट गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान आरती देवी (42), उनकी बेटी आंचल (14), सृष्टि (11) और बेटा कुंदन (12) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। फॉरेंसिक और अग्निशमन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंचीं और जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि संभवतः सिलेंडर में रिसाव के कारण यह घटना हुई होगी।

पुलिस जांच में जुटी

शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला गैस पर कुछ काम कर रही थी। इस दौरान सिलेंडर ने आग पकड़ ली और उसमें विस्फोट हो गया। यह विस्फोट इतना खतरनाक था कि आग पूरे घर में फैल गई। इसके बाद मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिस घटना स्थल से सैंपल कलेक्ट किए हैं और जांच में जुट गई है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।